>

Title: Regarding Capital punishment awarded to an Indian citizen Shri Sarabjit Singh in Pakistan.

उपाध्यक्ष महोदय : जब मैंने कह दिया है कि सब को टाइम दूंगा तो पहले ढींडसा जी को सुन लीजिये।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : यह बहुत सीरियस मसला है। आप पहले इन्हें सुन लीजिये।

श्री सुखदेव सिंह ढींडसा (संगरूर) : डिप्टी स्पीकर साहब, आज विदेश मंत्री ने सरबजीत सिंह मामले पर बयान दिया है लेकिन आपको मालूम है कि उसे फांसी किसी और नाम से दी जा रही है। सरकार ने अपने बयान में यह नहीं बताया कि अब वह क्या कर रही है, क्योंकि एक आदमी की जान जा रही है। मैं टी.वी. पर देख रहा था कि पाकिस्तान वाले कह रहे हैं कि यहां हमारे आदमी भी है। इसका मतलब यह है कि वह कोई सौदेबाज़ी करना चाहता है। उसके बारे में सरकार बताये कि जो पाकिस्तान के आदमी इधर हैं या ऐसा करते हैं कि इधर के दो आदमी छोड़ दो और दो उधर के छोड़ दो? एक आदमी की जान बचाने के लिये सरकार की तरफ से क्या किया जा रहा है, इस बारे में सरकार ने कुछ नहीं कहा। मैं पूछना चाहता हूं और सरकार से आग्रह करना चाहता हूं कि जब हम इस हक में है कि पाकिस्तान और हिन्दुस्तान के आपस के संबंध ठीक होने चाहिये, फिर अगर उसे फांसी लग जायेगी तो दोनों देशों के बीच में दूरी और बढ़ जायेगी। इसलिये सरकार को और कोशिश करनी चाहिये कि इस मामले को सुलझाये। आपने कल टी.वी. पर देखा होगा कि उसकी बहन और एक नौजवान राहुल गांधी जी से मिले हैं।[s16] उन्होंने एश्योरेंस दी थी, उसका अभी तक क्या हुआ? क्या सरकार उसे बचाने के लिए कोई कोशिश कर रही है? मैं चाहूंगा कि इन्हें यह एश्योरेंस भी देनी चाहिए कि ये आगे क्या कर रहे हैं? यह ठीक है कि पिछले फेक्ट्स इन्होंने दे दिए, लेकिन अभी तक इन्होंने यह नहीं बताया कि ये क्या कर रहे हैं? यहां मंत्री जी बैठे हैं, मैं इनसे यह कहना चाहूंगा कि इस मामले को इन्हें बहुत सीरियसली लेना चाहिए। एक इंसान की जान बचानी चाहिए और उसके लिए पूरा जोर लगाना चाहिए।...(व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, मैंने नोटिस दिया है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : सुमन जी, मैं आपको बुलाऊंगा।

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : रुपचंद पाल जी की स्टेटमेंट के अलावा कुछ भी रिकार्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान) *

उपाध्यक्ष महोदय : जिन-जिन माननीय सदस्यों ने इनके साथ एसोसिएट करना है, वे अपने नाम भिजवा दीजिए।

...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please listen to him.

...(*Interruptions*)

SHRI RUPCHAND PAL (HOOGHLY): Sir, while I share the sentiments expressed by my esteemed colleague and the concern expressed by the Government about Shri Sarabjit Singh, I would like to add one more important thing that the price situation has reached such a state...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will give you time to raise this matter later on. I am assuring you. I have given the word that I will give you time.

...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जिन-जिन माननीय सदस्यों ने एसोसिएट करना है, वे अपने नाम भिजवा दीजिए।

श्री रामजीलाल सुमन : उपाध्यक्ष महोदय, अभी विदेश मंत्री जी का बयान हुआ। सर्वजीत के फांसी के सवाल पर पूरा देश चिन्तित है और इसके लिए जगह-जगह दुआएं हो रही हैं। पंजाब विधान सभा ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास किया है और प्रधानमंत्री जी से विनम्र आग्रह किया है कि सर्वजीत के मामले में पाकिस्तान की सरकार से बातचीत करके उसकी जान बचाने का काम करें।

उपाध्यक्ष महोदय, सर्वजीत सन् 1990 से पाकिस्तान की जेल में बंद है और सबसे बड़ी बात यह है कि भारतीय उच्च आयोग के अधिकारियों को भी सर्वजीत से मिलने नहीं दिया गया। वहां सुप्रीम कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के बाद राष्ट्रपति जी के पास उसकी जो दया याचिका गई, वह भी खारिज कर दी गई। यह स्थिति बहुत ही हृदय विदारक है। आज अखबारों में सर्वजीत की दोनों बेटियों, सपनदीप और पूनम का बयान छपा है। पूनम ने कहा कि मैंने अपने पिता को देखा भी नहीं, मैं उस समय दो महीने की थी। उन्होंने कहा कि हमने फैसला किया है कि जिस वक्त हमारे पिता जी को फांसी दी जाएगी, हम भी उसी वक्त खुदकशी कर लेंगे।

* Not recorded

उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत गंभीर मामला है, इसलिए मैं आपके मार्फत चाहूंगा कि लोक सभा सर्वजीत की जान को बचाने के लिए सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास करे। संसदीय कार्य मंत्री यहां बैठे हैं, हम सरकार से विनम्र आग्रह करेंगे कि आप बातचीत के जरिए कोई हल निकालें, क्योंकि उसके अलावा कोई चारा नहीं है। कानूनी प्रक्रिया जो होनी थी, वह पूरी हो चुकी है। हम विश्वास करते हैं कि भारत सरकार इस पर प्रभावी पहल करेगी और सर्वजीत की जान को बचाने का काम सरकार जरूर करेगी, हम ऐसी अपेक्षा करते हैं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : गोयल साहब को एसोसिएट कर लें।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय श्री ढींडसा साहब ने सर्वजीत के मामले में जो सेंटीमेंट सदन में व्यक्त किए हैं, उसकी जान बचाने के लिए केन्द्र सरकार को जो भी पहल या जो भी डिप्लोमेटिक रणनीति या तरीका हो, उस तरीके को एडोप्ट करना चाहिए, क्योंकि आज सम्पूर्ण देश इस बात के लिए चिन्तित है और यह सेंटीमेंट का सवाल है। आज इस सवाल पर समूचा देश एकमत है। यह सर्वोच्च संसद है, इसलिए केन्द्र सरकार को इसके लिए पहल करनी चाहिए। अभी एक माननीय सदस्य बता रहे थे कि पहले भी अदला-बदली की परम्परा रही है, जो भी हो, इसे आप डिप्लोमेटिक तरीके से देखेंगे कि इसमें क्या हो सकता है, लेकिन इस मामले को जरूर गंभीरता से लेना चाहिए और हर हालत में सर्वजीत को फांसी से बचाना चाहिए, क्योंकि इस समय जो स्थिति है, उससे पूरे देश में एक अजीब माहौल पैदा हो गया है।[rep17]

[r18]उपाध्यक्ष महोदय, हम सब लोग माननीय सदस्य के सेंटीमेंट्स के साथ हैं।

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : उपाध्यक्ष महोदय, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह एक मिस्टेकन आईडेंटिटी है। श्री मंजीत सिंह के नाम से मामला दर्ज हुआ और श्री मंजीत सिंह की बजाय फांसी श्री सर्वजीत सिंह को लगाई जा रही है। उन्होंने यह भी कहा है कि डी.एन.ए. टैस्ट करा लिया जाए। सब चीजें देखने के बाद भी एक निर्दोष आदमी फांसी के फंदे पर चढ़ाया जा रहा है। वहां नए लोग चुन कर आए हैं। वहां एक नई सरकार बनी है। उनसे बातचीत की जा सकती है और श्री सर्वजीत सिंह को छुड़ाने का पूरा प्रयास किया जाए। यह सारे सदन की भावना है जिसे हम लोग व्यक्त करना चाहते हैं।

SHRI GURUDAS DASGUPTA (PANSKURA): The point is that democracy has returned to Pakistan. Elections have taken place. A new Government has come into office. Therefore, I appeal to the newly elected Members of the Parliament of Pakistan to take it up as a gesture of goodwill to the people of India because the gesture of goodwill between India and Pakistan will help both the countries. So, I appeal to the elected Members of Pakistan Parliament and also of the Assemblies to put pressure on the dictatorial chief of the Pakistan State apparatus to change and issue a clemency order. My appeal is to the elected Members of Parliament of Pakistan and to the people of Pakistan. India and Pakistan should live in peace and not in confrontation. If this is done then that will be good for both the countries. Let the new Government of Pakistan begin a new process. I appeal to the hon. Minister to be little more firm, active and accelerated to get the whole thing done and ensure that an innocent man is not hanged.

उपाध्यक्ष महोदय : श्री बृज किशोर त्रिपाठी।

â€¦(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता - उत्तर पूर्व) : उपाध्यक्ष महोदय, श्री सर्वजीत सिंह की मुक्ति के लिए पूरे सदन ने अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। पूरा सदन इस बारे में एकमत है। सदन के सभी लोग चाहते हैं कि उन्हें फांसी न हो तथा उन्हें भारत वापस भेजा जाए। हम चाहते हैं कि श्री सर्वजीत सिंह की रिहाई के लिए सरकार हर मुमकिन कोशिश करे। ...(व्यवधान)

श्री बृज किशोर त्रिपाठी (पुरी) : मिस्टर डिप्टी स्पीकर सर, ...(व्यवधान) अरे भाई हमें बोलने दीजिए न आप बीच में क्यों बोल रहे हैं? ...(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम : उपाध्यक्ष महोदय, पूरे देश से प्राइस राइस के इश्यू पर धरना देने के लिए लोग जन्तर-मन्तर पर आए हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : श्री बृज किशोर त्रिपाठी जी की बात सुनने के बाद, मैं आपको बोलने का समय दूंगा। इसलिए अभी आप कृपया बैठ जाइए। अब श्री बृज किशोर त्रिपाठी जी।

â€¦(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम : उपाध्यक्ष महोदय, यह क्या बात हुई। आप हमें बोलने ही नहीं देते हैं। प्राइस राइज का इश्यू बहुत महत्वपूर्ण है और श्री सर्वजीत सिंह की रिहाई के मामले पर पूरा सदन एक है, तो फिर इस मामले पर अब आगे बहस की क्या जरूरत है। अब आप हमारा इश्यू ले लीजिए और हमें बोलने का अवसर दीजिए। ...(व्यवधान)

श्री बृज किशोर त्रिपाठी : अरे भाई, आप बैठ जाइए। हमारी बात खत्म होने दीजिए। ...(व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please listen to him.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will allow you. After this I will allow you.

...(*Interruptions*)

SHRI N.N. KRISHNADAS (PALGHAT): Sir, you assured us in the morning ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have said that after this I will allow you.

...(*Interruptions*)

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता - उत्तर पूर्व) : उपाध्यक्ष महोदय, उसके बाद आप सदन की बैठक लंच के लिए एडजर्न कर देंगे और हमारी बात नहीं सुनी जाएगी। इसलिए मैं वॉक-आउट करता हूं।

12.29 hrs.

At this stage Md. Salim and some other Hon'ble Members left the House.

उपाध्यक्ष महोदय : मैं आपसे कह रहा हूं कि श्री बृज किशोर त्रिपाठी जी की बात सुनने के बाद मैं आपका इश्यू लूंगा और आपको बोलने के लिए अलाऊ करूंगा।

â€¦(व्यवधान) [r19]

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing should be recorded.

*(Interruptions) â€¦ **

उपाध्यक्ष महोदय : त्रिपाठी जी के बाद आपका इश्यू लेंगे।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप एक सैकिन्ड के लिए त्रिपाठी जी को सुन लीजिए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : आप मुझें सुनेंगे या नहीं। आप बोल लीजिए या मुझे बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जिन माननीय सदस्यों ने मुझे नोटिस दिया है

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please listen to me.

...(*Interruptions*)

** Not recorded*

उपाध्यक्ष महोदय : जब मैंने कहा है कि त्रिपाठी जी के बाद मैं आपको बोलने, गुप्ता जी को बोलने के लिए टाइम दूंगा। मेरा ख्याल है कि सरबजीत सिंह के केस पर किसी को कोई ऐतराज नहीं है। हाउस इसमें एग्री है कि सरकार को इस बारे में कोई रास्ता निकालना चाहिए।

...(*Interruptions*)

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY : Mr. Deputy-Speaker Sir, I am associating with other Members on this issue. On my own behalf and on my behalf of Party, I demand that the Government should pass a resolution so that a unanimous view from this House will be passed on to the Government of Pakistan, so that they can take a lenient view. An innocent person should not be hanged. Everybody in the world knows that he is an innocent person. So, our Government should take action on it. I am associating with other Members and I request the Government to immediately come forward and respond on this matter.

MR. DEPUTY-SPEAKER: All Members of this House agree on this point.

...(*Interruptions*)

SHRI A. KRISHNASWAMY (SRIPERAMBUDUR): Sir on behalf of DMK, I also associate with the views expressed here on this issue....(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Hon. Members who have sent their slips namely, Dr. (Col.) D.R. Shandil, Shri Mahavir Bhagora, Shri Dhan Singh Rawat, Shri Ananta Nayak, Shri Ganesh Singh, Shri Ratilal Kalidas Varma, Shri Syed Shahnawaz Hussain, Shri Kashiram

Rana, Dr. Vallabhbhai Kathiria, Shri Girdhari Lal Bhargava and Shri Ramswaroop Koli are allowed to associate in the subject.

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): With all due respect to the Chair, I would only submit that the Government and the Members of this House are not having two opinions to find out ways and means on how to save a life both in the diplomatic way and using the highest office. But to pass a resolution on the judgment of the court, I think, we have never heard of any Parliament doing that. Therefore, my appeal to the House is, we have bilateral relations with that country. In humanitarian way, diplomatic way and using the highest office, we have been negotiating the matter step by step since 2005. ...(*Interruptions*) Then why do you not allow me to speak? Then just do like this. Do not take the Government casually. Sir, I will not respond to stray remarks.

Sir, the hon. Minister for External Affairs did explain in the last paragraph of his statement which is important that we appeal to that Government for clemency on humanitarian grounds. ...(*Interruptions*)

SHRI TATHAGATA SATPATHY (DHENKANAL): It is a personal failure...(*Interruptions*)

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI: You can contribute as you like but try to understand how one Government has relations with another Government. You should know. I am not going to answer you. ...(*Interruptions*) Therefore, Sir, I will sincerely convey the feelings of the House to the hon. Prime Minister. So far as my knowledge goes, at the Prime Minister's level, the matter is being negotiated every day and every minute. I would appeal to you that I will convey these sentiments sincerely to the hon. Prime Minister. We are all one with the sentiments of the House. If you bind the Government to pass this and that resolution, then it will be difficult for me to say anything at this stage.